nirmaan
empowering communities

ढुँढाड़ी भाषा त्रैमासिक पत्रिका

आपणो ढूंढाड़, आपणी भासा

अपरेल सूं
जून-2019

प्रकाशक-
निर्माण सोसायटी-चाकसू

सरकार की योजना

रास्तान सरकार की तारबंदी योजना

रास्तान सरकार सूं तारबंदी योजना चलायेड़ी छ। ईं योजना को लाब सबी पाळती ले सकअ छ। तारबंदी योजना मअ पाळती वांका खेत कअ तारबंदी करबा बेई सरकार सूं 50% की सायता ले सकअ छ। पाळत्यां कन वांका खेत कअ तारबंदी करबा बेई अतरा पीसा कोनअ। वांकी फसल नअ सूना ढाण्डा-ढोर बरबाद करदे छ। जिसूं पाळत्यां कअ घणो नुकसाण हअ छ। सरकार सूं ईं योजना नअ चलाबो को यो मकसद छ कअ, पाळती ईं योजना को लाब लेर अपणी फसल नअ नुकसाण सूं बचा सकअ छ। पाळत्यां नअ खेतां की रुखाळी बी कोन करणी पड़अली। तारबंदी सूं पाळत्यां की पेदावार नअ बडावो मलअलो अर पाळती बना कोई चन्ता कअ चोखी सूं चोखी फसल उगा सकअ छ। ईं योजना सूं सगळा पाळती खेती कर सकअ छ अर छोटा पाळती नअ बी उपर उठबा मअ बडावो मलअलो।

तारबंदी योजना को हकदार

1. तारबंदी योजना को लाब लेबा कअ तोड़ी रास्तान को मूल निवासी हअबो जरूरी छ। ईं योजना को लाब सबी पाळती ले सकअ छ।

2. साल 2019-20 मअ ईं योजना को लाब एक सूं जादा पाळती मल'र बी ले सकअ छ। जिमअ कम सूं कम 5 हेक्टर (20 बीघा) जमी मअ तीन पाळती लाब लेबो जरूरी छ।

3. हर पाळती 400 मीटर की लम्बाई तक को लाब ईं योजना सूं ले सकअ छ। पाळती नअ 400 मीटर की लागत को 50% या 40,000/- रप्यां मलअ छ।

4. अगर जादा पाळती एक साथ मल'र ईं योजना को लाब ले छ तो हर 400 मीटर पअ 50% या 40,000/- रप्यां को लाब मलअलो।

5. तारबंदी 400 मीटर की लम्बाई सूं जादा छ तो पाळती नअ बाकी की लम्बाई पअ तारबंदी खुद नअ ही करणो पड़अलो। बाकी की लम्बाई पअ पाळती नअ तारबंदी करबो बी जरूरी छ, जद ही ऊंनअ 400 मीटर लम्बाई का पीसा मलअला।

6. अगर पाळती का खेत कअ कसी बी मेर पअ पअली सूं तारबंदी खुद या सरकार की करेड़ी छ तो ऊं मेर पअ दुबारां सूं तारबंदी करबो जरूरी कोनअ। अगर पाळती दुबारां सूं तारबंदी करअ छ तो पाळती नअ ऊं मेर का रप्या कोन मलअ।

7. पाळती नअ तारबंदी कर्यां पाछअ, सरकारी अधिकारी जांच कर्यां पाछअ, पाळती नअ बेंक खाता मअ रासि मलअली।

8. कोई बी पाळती कअ जमी नांव कोनअ अर वो ऊं जमी को हकदार छ तो (जियां पाळती का बाप कअ जमी नांव छ अर वो जिन्दो छ या फेर मरग्यो पण नामान्तरण कोन खुल्यो) वो पाळती पटवारी सूं खुद का पक्स मअ जमी को परमाण पत्तर लेर दे छ या सरपंच सूं परमाण पत्तर लिखवार ले छ

कि वो परवार सूं अलग रअ छ अर रासन कार्ड अर नरेगा जोब-कार्ड अलग सूं बणेड़ो छ, अस्या पाळती बी ईं योजना का हकदार छ।

9. ईं योजना को लाब लिया पाछअ तारबंदी की मरमत की जिम्मेदारी खुद पाळती की छ। मरमत मअ सरकार की कोई जिम्मेदारी कोनअ।

कांटादार तारबंदी योजना

ईं योजना को लाब लेबा कअ तोड़ी कम सूं कम 5 फुट की ऊंचाई की कांटादार तारां की 9-9 फुट की दूरी पअ एक खम्बो, लोया की एंगल या गड्डू हअबो जरूरी छ। गड्डू नअ गाडबा को खाडो 1 फुट लम्बो, 1 फुट चोड़ो अर 1.6 फुट उण्डो हअबो जरूरी छ। ऊं खाडा मअ 1 परात सीमट, 3 परात बजरी अर 6 परात रोड़ी हअबो जरूरी छ। सीमट का गड्डू की नीचअ सूं 6 इंच अर उपर सूं 4 इंच मोटाई हअबो जरूरी छ। 2 गड्डू कअ बीच मअ 6 तारां पअ 2 करोस तार का स्याब सूं तारबंदी हअबो जरूरी छ। हर 10 वां गड्डू अर हर कूणा का गड्डू कअ आडो गड्डू लागबो जरूरी छ।

तारबंदी योजना कअ तोड़ी जरूरी कागजात

1. तारबंदी योजना मअ ओनलाईन फारम भरबो अर रसीद लेबो जरूरी छ।

2. फारम भरबाळा को आधार कार्ड नम्बर हअबो जरूरी छ।

3. फारम भरबाळा को रासन अर भामासा कार्ड हअबो जरूरी छ।

4. फारम भरबाळा की जमी की जमाबंदी हअबो जरूरी छ, जे 6 मअना सूं जादा पराणी न हअणी चाईजे।

पाळती तारबंदी योजना की जादा जाणकारी गराम पंचायत मअ करसि परवेक्सक सूं लेर फारम भर सकअ छ।

मुवावरा

1. काळा पाणी की सज्या देबो।

अर्थ:- देश निकाले का दंड देना।

वाक्य में प्रयोग :- देस कअ साथ गद्दारी करबाळा नअ तो काळा पाणी की सज्या हअणी चाईजे।

2. गूंठा टेक हअबो।

अर्थ:- अनपढ़ होना।

वाक्य में प्रयोग :- गोपी गूंठा टेक छ, जिसूं वो अब साक्सरता मअ पडबो चावअ छ।

ढुंढाड़ी भासा मअ साख

1. साईब थारी साईबी सब घट रअई समान।

ज्यूं मेन्दी का पात मअ लाली रअई रे छुपाई।

साईब तूज मअ यूं बसअ, ज्यूं तिल्ली मअ तेल।

ग्यान की घाणी फिराई के, फेर देख ईंको खेल॥

2. सतगुरु मेरा बाणिया, बिणज करअ बोपार।

तन डांडी, मन पालड़ा, तोल लिया संसार॥

टेम कोई बेई बी कोन रूकअ, टेम तो अपणी गति सूं चालतो रअ छ।

ढुंढाड़ी भासा मअ भजन

जग मअ हअ पेसे का नाता

यारी अर असनाईं छूटअ, ईं पीसां का चक्कर मअ।
भाई का दुसमन भाई बणज्या, ईं पीसां का चक्कर मअ।
ग्वाई अपणा ब्यान पलट दे, ईं पीसां का चक्कर मअ।
घर की लुगाई टेडी चालअ, ईं पीसां का चक्कर मअ।
छोरा-छोरी रवअ कुंवारा, ईं पीसां का चक्कर मअ॥
जग मअ हअ पेसे का नाता, झूंठा प्यार दिखाई दे।
बिन पेसे के उलट-पुलट बेवार दिखाई दे॥
जग मअ हअ पेसे का नाता, झूंठा प्यार.....॥(टेर)
जब तक पति कमाकर ल्यावअ, मीठी बोलअ नारी जी।
सुवार्थ कअ ई कारण सुत सूं, प्यार करअ मां थारी जी।
बडती रहे कमाई अच्छी, मिलती रिस्तेदारी जी।
निरधन जन सूं नफरत करती, देखो दुनियां सारी जी।
अरे स्वार्थ का भाई-चारा, ये परिवार दिखाई दे॥
जग मअ हअ पेसे का नाता, झूंठा प्यार.....॥(1)
पेसा हो ना, पास मअ आकर मित्तर बी आंख बदल ज्या जी
मुख सूं कुछ बोलअ कोनअ, वो चुपचाप निखळज्या जी।
जोर चले ना टोटे मअ भाई सब नक्साई बदलज्या जी।
ना कोई बी पास बिठावअ, काया सोच फिकर मअ गळज्या जी।
कंगले का दुनियां मअ ना कोई यार दिखाई दे॥
जग मअ हअ पेसे का नाता, झूंठा प्यार.....॥(2)
निरधन का मन बिन पेसे के, आठो पअर उदास रहे।
सब फटकारअ, ताना मारअ कोई बी ना पास रहे।
पेट भराई मलअ न रोटी, लगी पराई आस रहे।
ईदर-उदर न फिरअ रअ भटकता, लेता लम्बे सांस रहे।
निरधन माणस का जीवन बेकार दिखाई दे॥
जग मअ हअ पेसे का नाता, झूंठा प्यार.....॥(3)
निरधन जन सूं दुनियां मअ ना प्यार करणियां पावअ जी।
नईं करअ सतकार कोई बी, किसी को नईं सुवावअ जी।
बिन पेसो के कोई परेम सूं बोलअ ना बतळाव जी।
दुनियां मअ भगवान किसी को निरधन नईं बणावअ जी।
अरअ नानक चन्द तुफान सरेस्ट ओमकार दिखाई दे॥
जग मअ हअ पेसे का नाता, झूंठा प्यार.....॥(4)

फूलां की कुसबू तो बाअळ की दिसा मअ ई फअलअ ली, पण एक बडिया आदमी का गुण तो सबी दिसा मअ फअलअ छ।

संपादक
रामजी लाल बैरवा, पूरण मल बैरवा एवं बजरंग लाल बैरवा
सहयोगी
मुकेश कुमार योगी, कविता योगी एवं रतन लाल योगी
सम्पर्क
निर्माण सोसायटी
वार्ड नं. 6, तकिया मस्जिद के पास,
काली हवेली के पीछे, देशवालियों का मोहल्ला,
चाकसू, जयपुर, राजस्थान-303901
Email- rajasthanlanguages@nirmaan.org.in
Web- www.nirmaan.org.in
Ph.-01429-243997